आईआईटी इंदौर के 6वें दीक्षांत समारोह में 246 स्टूडेंट्स को मिली डिग्री, 6 को मेडल व 3 को मिले अवार्ड, पेरेंट्स भी समारोह में हुए शामिल

चार साल की मेहनत रंग लाई, डिग्रियां पाकर खिले चेहरे

इंदौर। नईदुनिया रिपोर्टर

सोमवार का दिन आईआईटी के स्टूडेंट्स के लिए खुशियां लेकर आया, क्योंकि उनकी चार साल की मेहनत का फल डिग्री के रूप में उन्हें मिला। देशभर के विभिन्न शहरों और विदेश में पढ़ाई या काम कर रहे स्टूडेंट्स जीवन के इस खास दिन को यादगार बनाने के लिए इकठ्ठा हुए। बच्चों के साथ ही उनके पेरेंट्स के चेहरों पर भी खुशी साफ नजर आ रही थी। दोस्तों से बिछड़ने और इंस्टीट्यूट छोड़ने का गम भी सभी के चेहरे पर साफ नजर आ रहा था। बीटेक के स्टूडेंट्स कहते हैं चार साल में जो मौज-मस्ती की वो जीवन में कभी नहीं की। परीक्षा के एक दिन पहले पढ़ना, रातभर जागना, कैंपस में घूमना, साथ में चाय पीना, सिटी जाने के लिए लिफ्ट लेना सबकुछ बहुत खूबसूरत यादें हैं।

कन्वोकेशन के दौरान बीटेक के 112, एमएससी के 41, एमटेक के 26, पीएचडी के 67 स्टूडेंट्स को डिग्री दी गई। प्रेसीडेंट ऑफ इंडिया गोल्ड मेडल कंप्यूटर साइंस एंड इलेक्ट्रानिक ब्रांच के वेदांत अग्रवाला को चार सालों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए दिया गया। वेदांत को 9.74 सीपीआई प्राप्त हुए थे। बीटेक में इंस्टीट्यूट सिल्वर मेडल वरुण जोगलेकर, कार्तिकेय सुरेंद्र और आदित्यन कन्हैय्यन को दिया गया। बेस्ट ओवरऑल परफॉर्मेंस अमंग ऑल एमएससी एंड एमटेक स्टूडेंट्स हरियाणा की एकता यादव को सिल्वर मेडल दिया गया। बेस्ट परफॉर्मेंस अमंग ऑल द ग्रेजुएटिंग यूजी स्टूडेंट्स रमेश बालाजी को सिल्वर मेडल दिया गया। बेस्ट बीटेक प्रोजेक्ट के लिए रोहन राठौर, ईशान मेश्राम और अभिषेक कुमार को अवार्ड दिया गया।

ग्रुप डिस्क्शन ने दिलाया सिल्वर मेडल

रमेश बालाजी, सीपीआई 9.5
परिजन - पिता आर. बालाजी , माता रेणुका बालाजी

रमेश फिलहाल अमेरिका में एमएस कर रहे हैं, लेकिन भारत आकर उच्च शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिए काम करना इनका मकसद है। ये बीटेक की पढ़ाई के दौरान अपने दोस्तों के साथ ग्रुप डिस्क्शन करते थे, जिससे इन्हें यह अवार्ड मिला।

मैरिज एनिवर्सरी पर दोगुना हो गई खुशी

भोपाल के ओमप्रकाश पटेल और उनकी गुना निवासी पत्नी नेहा भारिल ने भी आईआईटी से इंदौर पीएचडी की है। इन दोनों की शादी करीब तीन साल पहले देवउठनी ग्यारस पर ही हुई थी। यह संयोग ही सोमवार को देवउठनी ग्यारस के मौके पर दोनों को पीएचडी की उपाधि एक साथ मिली। हालांकि पांच साल पहले नेहा ने आईआईटी में प्रवेश लिया था तो चार साल पहले ओमप्रकाश ने। संयोगवश दोनों को एक साथ इस बार डिग्री मिली तो इनकी मैरिज एनिवर्सरी की खुशी दोगुना हो गई।

ओमप्रकाश व नेहा को देवउठनी ग्यारस पर पीएचडी की उपाधि मिली।

इंदौर विजयनगर में रहने वाली डॉ.रेखा शर्मा को भी आईआईटी में पीएचडी की उपाधि मिली।

लास्ट टाइम के भरोसे न रहना ही मेरी स्ट्रेटजी थी

कार्तिकेय सुरेंद्र, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग सीपीआई-9.5

नियमित रूप से क्लास में जो भी पढ़ाया जाता था वो रिवाइज करता था। उसके अलावा सप्ताह के अंत में रेफरेंस बुक्स से और डिटेल में सब स्टडी करता था। लास्ट टाइम के भरोसे न रहना ही मेरी स्ट्रेटजी थी। थोड़े समय इंडस्ट्री में काम करने के बाद इन्वेस्टमेंट के लिए कैपिटल होने पर खुद का बिजनेस करना है। कार्तिकेय शुरू से ही पढ़ाई में काफी अच्छे थे। कक्षा 12 में भी पूरे स्कूल में टॉप किया था। कार्तिकेय आईआईएम इंदौर से एमबीए कर रहे हैं।

रिसर्च के बाद देश में एकेडेमिक फील्ड में करूंगी काम

एकता यादव, एमएससी स्टूडेंट को सिल्वर मेडल मिला है।

एकता यादव, (एमएससी फिजिक्स)

हरियाणा की एकता यादव कहती हैं आगे बाहर की किसी यूनिवर्सिटी से रिसर्च करने के बाद भारत में ही एकेडेमिक फील्ड में काम करूंगी। इसके पहले एकता ने दिल्ली विश्वविद्यालय से पढ़ाई की है। जो भी पढ़ती थी उसे बहुत ध्यान से पढ़ती थी, जिससे कहीं से भी कुछ भी पूछा जाए तो लिख सकूं।

रेगुलर क्लास लेक्चर को फॉलो करने से ही मिला मेडल

वरुण जोगलेकर- सीएसई ब्रांच 9.69 सीपीआई

हैदराबाद में अमेजन कंपनी में काम कर रहे वरुण कहते हैं मैंने चार सालों में सिर्फ क्लास लेक्चर्स को ही अच्छे से फॉलो किया। अगर आप क्लास में जो पढ़ा रहे हैं उस पर ध्यान दें तो अलग से कुछ भी करने की जरूरत नहीं होती। कुछ दिन इंडस्ट्री में काम करने के बाद स्टार्टअप शुरू करूंगा।

सोलर एनर्जी का ज्यादा उपयोग सुनिश्चित करेगा यह ट्रैकर

अभिषेक कुमार, रोहन राठौर व ईशान मेश्राम ने सेल्फ एडेप्टिव एंड सेल्फ एनर्जाइज्ड इंटेलीजेंस सोलर ट्रैकर पर प्रोजेक्ट बनाया है। इस सोलर ट्रैकर में सोलर रेंज सीधे पैनल पर पड़ेगी, जिससे सोलर एनर्जी ज्यादा मिलेगी।

हरियाणा की रितु यादव व रीना यादव सगी बहने है। दोनों को आईआईटी में एक साथ एमएससी की डिग्री मिली।

सगी बहनों को एक साथ मिली डिग्री

हरियाणा की रितु यादव व रीना यादव सगी बहनें हैं, उन्होंने अपनी स्कूल व कॉलेज की पढ़ाई एक साथ की और आईआईटी इंदौर में एमएससी भी एक साथ की। रितु बताती है कि दीक्षांत समारोह में परिजन तो नहीं आ सके, लेकिन दोनों बहनों को एक साथ डिग्री मिली तो उनकी खुशी दोगुना हो गई। अब रीना आगे पीएचडी करेगी तो रितु जॉब करेगी।

डिग्री हासिल करने वाले राजन लांजेकर अपने जुड़वा बच्चों व परिवार के साथ। अभी ये रांची में पढ़ा रहे हैं।

Nai Dunia (Indore), 20th November 2018, *Nai Dunia Live*, Page-18